DBJ-19070101050200 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. V) (CBCS) Examination

June - 2022

FND-507 : Hindi

(हिन्दी साहित्य एवं भाषाशुद्धि) (New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (1) सभी प्रश्नों के सूचनानुसार उत्तर दीजिए।
(2) निम्नांकित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(3) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

१ निम्नांकिन प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए। १४

(१) गायकी शब्द का शुद्ध रूप लिखिए।
(२) तत्कालिक शब्द का शुद्ध रूप लिखिए।
(३) अध्यन शब्द का शुद्ध रूप लिखिए।
(४) नभमंडल शब्द का शुद्ध रूप लिखिए।
(५) दामोदरम शब्द का शुद्ध रूप लिखिए।
(६) रात और संध्या के बीच की बेला – अनेक शब्द के लिए एक शब्द दीजिए।
(७) जहाँ खाना मुफ्त मिलता है – अनेक शब्द के लिए एक शब्द दीजिए।
(८) जो नष्ट होने वाला है – अनेक शब्द के लिए एक शब्द दीजिए।
(९) जो अच्छे कुल में उत्पन्न हुआ है – अनेक शब्द के लिए एक शब्द दीजिए।
(१०) हड़ताल शब्द किस भाषा का है?
(११) रिक्शा शब्द किस भाषा का है?
(१२) सिल्वर शब्द किस भाषा का है?
(१३) रब्बा शब्द किस भाषा का है?
(१४) रसगुल्ला शब्द किस भाषा का है?

२ राष्ट्रीय एकता में हिन्दी के योगदान पर प्रकाश डालिए। १४

३ अनुवाद की परिभाषा देकर अनुवाद के प्रकारों की चर्चा कीजिए। १४

४ हिन्दी शब्द समूह पर प्रकाश डालिए। १४

५ संक्षेपण के गुणों की चर्चा कीजिए। १४

६ अनुवाद की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। १४

७ बर्तनी की अशुद्धियों की चर्चा कीजिए। १४

८ संक्षेपण की परिभाषा देकर उनके नियम पर प्रकाश डालिए। १४

९ पत्र लिखिए। १४

(१) हिन्दी विषय शिक्षक के लिए आवेदनपत्र लिखिए ७

(२) बैंक में नया खाता खुलवाने के लिए बैंक मेनेजर को पत्र लिखिए। ७

१० सूचनानुसार उत्तर दीजिए। १४

(१) निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेप कीजिए। ७

''बीज बोते समय जिस तरह हम जमीन अच्छी है या नहीं इसका विचार करते हैं उसी तरह हम जिसे दान देते हैं वह व्यक्ति कैसा है इसकी तरफ ध्यान देना चाहिए। किसान जब बीज बोता है तो एक दाने के सौ दाने करने के लिए बोता है। उन्हें जैसे–तैसे बिखेर नहीं देता। घर के दाने तो कम थे, लेकिन वहाँ सौ गुने बढ गये। दान क्रिया का भी यही हाल है। जिसे हमने मुट्ठीभर दाने दिये क्या वह उनकी कींमत बढाएगा। हम जो दान करें वह ऐसा हो जिससे समाज को सौ गुना फायदा पहुँचे। हमें यह विश्वास होना चाहिए कि उस दान के कारण समाज में आलस्य और अनीति नहीं बढ़ेगी।''

(२) निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती में अनुवाद कीजिए। ७

''प्रत्येक देश की प्राणी सृष्टि में पक्षियों की सुन्दरता निराली होती है और भारत के प्राकृतिक सौन्दर्य में तो वह अधिक सुन्दर लगती है। फिर भी इस सुन्दरता से बहुत ही लोग परिचित नहीं है। इस सौन्दर्य के उपभोक्ता बहुत कम होते हैं। भारत में ग्रीष्म ऋतु के प्रारंभ के साथ ही पक्षियों का स्थानांतर होना शुरू हो जाता है। उसका दृश्य बहुत ही रोमांचकारी होता है। भारत की सभी ऋतुओं में उसके बराबरी का दृश्य शायद ही देखने को मिलेगा।''